

**SHRI YADVENDRA DUTT:** I put a very clear-cut question, whether he has received any proposal from the I. G. Police in which he has drawn up a scheme to pull up the Indian Police at least 10 years behind the Scotland Yard which actually is 30 years behind and, if so, what is the outline of that.

**MR. SPEAKER:** He said, they are appointing an expert committee to examine it.

**THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI):** I do not understand what my hon. friend means by saying that the I. G. Police wants to pull up the police. I cannot understand any I. G. Police saying that he wants to pull up the police. I would like to see that statement. If he means that he wants to bring up the police to a particular standard, I can understand. That is sought to be done. What is the comparison with the Scotland Yard? In London, the population is 76 lakhs and the number of policemen is 25,000. Here, the population is 54 lakhs and the number of policemen is 16,000. So, one can just understand the difference. There are different ways of different people looking at different things. There is far more crime in London or in New York than it is in Delhi. If you want to see the figures, I can give the figures. But it is true that our police administration has not been functioning with the greatest efficiency for the last 30 years. It is not only now. (*Interruption*). Why are they so much excited I cannot understand? This is what has been received as a legacy from the British Government and we have not been able to change the attitude as much as we should. It is not the fault of anybody. This is inherent in the system which we inherited. That must be realised. Now we are utilizing the experience to see that this is properly done and therefore a committee has been appointed.

(*Interruptions*)

**SHRI A. C. GEORGE:** Recently I asked a CPWD Officer why a parti-

cular building in the Tughlak Road has been lying vacant for such a long time? He told me that it was just close to the Police Station. I asked: What was that? He said: since it is so close to the Police Station there are so many thefts.

(*Interruptions*)

Nobody wants to take up the building since it is so close to the Police Station. In a city like Delhi—I am not just alleging in a general manner—there is a feeling that the policemen need a bit more of pulling up. The Prime Minister may take it up. But there is a feeling that the honesty of the policemen is in doubt. Will you therefore see—before stringent measures are taken—that at least the thefts are not committed by the policemen?

**SHRI DHANIK LAL MANDAL:** I deny this insinuation.

भारत में बस बनाने के सम्बन्ध  
में हंगरी का प्रस्ताव

\* 1056. श्री धर्मसिंह भाई पटेल : क्या  
उद्योग मन्त्री यह बताने को तैयार करेंगे कि :

(क) क्या भारत में 200 सीटों वाली बस बनाने के लिये हंगरी से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो कब और किस प्रकार का ;

(ख) उस पर भारत सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है अथवा करने का विचार है और इसके लिये कार्यक्रम का व्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या देश में यात्रियों को यातायात सम्बन्धी अच्छी सुविधाये देने के लिए सरकार की कोई योजना है और यदि हां, तो उसका व्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्री (श्री जयलक्ष्मी) :

(क) एकलुप्त बनावट की बसें और

वैर-जुड़वां दोनों प्रकार की बसों का भारत में निर्माण करने के लिए तकनीकी सहयोग हेतु हंगरी से दिसम्बर, 1977 में एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ था।

(ख) भारतीय परिस्थितियों के अधीन इन गाड़ियों का मूल्यांकन करने के लिए बातचीत हो रही है।

(ग) योजना से निम्नलिखित बातों के लिए विभिन्न स्कीमों की परिकल्पना की गई है:— विद्यमान मार्गों पर सेवाओं को सुदृढ़ करना और उन्हें भ्रष्ट-शहरी क्षेत्रों तक बढ़ाना; बड़े नगरों और शहरों में भीड़भाड़ कम करने के कार्यक्रम को प्रागे बढ़ाने के लिए सड़क परिवहन प्रणाली का विकास करना; और राष्ट्रीयकृत क्षेत्र जो देश में लगभग 53 प्रतिशत यात्री परिवहन सेवाओं को परिचालित करता है, में सुधार को बढ़ावा देना।

श्री धर्मासिंह भाई पटेल : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि भारतीय परिस्थितियों के अधीन इन बस गाड़ियों का मूल्यांकन करने के लिये बातचीत हो रही है तो मैं जानना चाहता हूँ कि कौन कौन से दिन, कितनी कितनी दफा और किस किस प्रकार की बातचीत हुई? इसके साथ मैं जानना चाहता हूँ कि इसी वर्ष और प्रागे के समय के लिए भी आपने कितनी बसेज बनाने का कार्यक्रम बनाया है और ऐसी एक बस की कीमत क्या होगी?

श्री जार्ज फार्नबिलस : अध्यक्ष महोदय, बातचीत दरभंगल हंगरी के इकासस मोनेट और ब्रिटेन के लेलेण्ड कम्पनी—दोनों से चल रही है। दोनों से हमारे पास प्रस्ताव आये थे कि इस देश में इंटिगरल कोच बनाने में हम उत्सुक हैं। जब ब्रिटेन के प्रधान मन्त्री वहाँ पर आये थे जनवरी में, तब उनकी तरफ से इस बात को छोड़ा गया था और बाद में जब उनके ट्रेड मिनिस्टर आये थे तब इसको कुछ धाने बढ़ाने का काम हुआ था। हंगरी के उद्योग मन्त्री जब वहाँ पर दिसम्बर, 1977 में

आये तब उनकी तरफ से भी यह प्रस्ताव आया था। हमने दोनों से कहा है कि वे अपनी इंटिगरल कोच की एक एक गाड़ी यहाँ पर भर्षें ताकि हमारी सड़कों पर उसको कहीं तक इस्तेमाल कर सकते हैं—इसकी भी ठीक और सही जाच हो जाये। देश के अन्दर "आलिवन मेटल इण्डस्ट्रीज" ने इन बसों को बनाने के लिये इजाजत मागी है और यह इजाजत उनको दी गई है। मगर उन की तरफ से जो प्रस्ताव है, उस में भी हंगरी की कम्पनी से या लेलेण्ड इण्डस्ट्रीज से इन्जिन और बैसिज बनाने के बारे में कोलोबोरेशन का सवाल है। इन सारे मसलों पर इस समय विचार हो रहा है।

श्री धर्मासिंह भाई पटेल : माननीय उद्योग मन्त्री जी ने अपने जवाब के (ग) भाग की चौथी पक्ति में कहा है कि "राष्ट्रीयकृत क्षेत्र जो देश में लगभग 53 प्रतिशत यात्री परिवहन सेवाओं को परिचालित करता है, में सुधार को बढ़ावा देना . . ."

गुजरात में करीब 100 प्रतिशत यात्री परिवहन सेवाओं का राष्ट्रीयकरण हो गया है। मैं माननीय मन्त्री जी से स्पष्ट जानना चाहता हूँ कि क्या गुजरात राज्य परिवहन निगम या गुजरात सरकार को अधिकतम सहायता दी जायेगी? यदि हा, तो किस प्रकार और कब?

MR. SPEAKER: That dose not arise here.

#### WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

##### Transport Museum

\*1049. SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have decided to construct a Transport Museum at New Delhi;